पृष्ठ संख्या 2

RNI NO.- RAJHIN/2021/80841

संस्कार सृजन

हिन्दी पाक्षिक

वर्ष: 01 | अंक: 24 | पृष्ठ : 4 | जयपुर, बुधवार 22 मार्च, 2023 | मूल्य: 05 रू. | वार्षिक मूल्य : 150 रू.

सम्पादक: राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

विधानसभा में राइट-टू-हेल्थ बिल पास, देश में राजस्थान ऐसा पहला राज्य

जयपुर (संस्कार सृजन)। बीजेपी के तमाम विरोध और हो-हल्ला के बीच राजस्थान विधानसभा में राइट टू हेल्थ (स्वास्थ्य के अधिकार) बिल मंगलवार को पास हो गया। इसी के साथ राजस्थान देश का पहला ऐसा राज्य बना, जहां राइट टू हेल्थ बिल पारित हुआ है। सरकारी और प्राइवेट हॉस्पिटल इलाज से अब मना नहीं कर सकेंगे। यहां के हर व्यक्ति को इलाज की गारंटी मिलेगी। इमरजेंसी की हालत में प्राइवेट हॉस्पिटल को भी फ्री इलाज करना होगा। प्राइवेट हॉस्पिटल में इमरजेंसी में फ्री इलाज के लिए अलग से फंड बनेगा। ऐसे मामलों में किसी भी तरह की हॉस्पिटल स्तर की लापरवाही के लिए जिला और राज्य स्तर पर प्राधिकरण बनेगा। इसमें सुनवाई होगी। दोषी पाए जाने पर 10 से 25 हजार रुपए जुर्माना लगाया जा सकता है।

राइट टू हेल्थ का उल्लंघन करने और इलाज से मना करने पर 10 से 25 हजार तक का जुर्माने का प्रावधान रखा गया है। पहली बार उल्लंघन पर जुर्माना 10 हजार और इसके बाद 25 हजार तक होगा। राइट टू हेल्थ बिल की शिकायतें सुनने और अपील के लिए जिला स्वास्थ्य प्राधिकरण और राज्य स्तर पर राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण बनेगा। प्राधिकरण में ही शिकायतें सुनी जाएंगी। बिल के उल्लंघन से जुड़े मामले में प्राधिकरण के फैसले को किसी सिविल कोर्ट में चुनौती नहीं दी जा सकेगी। सदन में इस बिल पर बहस को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष में जमकर नोकझोंक हुई। स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने डॉक्टर्स और कुछ बड़े हॉस्पिटल को लेकर हमला बोला। उन्होंने साफ कहा- प्राइवेट अस्पताल में इलाज के दौरान किसी की मौत हो जाती है तो बिल लेने के बाद ही डेडबॉडी दी जाती है। कई बार लाखों का बिल होता है। गरीब आदमी कहां से लाखों रुपए लाएगा?

मीणा ने कहा- जनता ने हमें चुन कर भेजा है। हमें जनता का पक्ष लेना चाहिए। मेरी किसी से कोई लाग-लपेट नहीं है। मुझे ध्यान है। जयपुर में कई नामी और बड़े हॉस्पिटल इलाज के नाम पर किस तरह चीटिंग करते हैं। यह बिल पास होने के बाद हम उन पर भी कार्रवाई करेंगे। बिल सबकी सहमति से सिलेक्ट कमेटी को भेजा था। सबकी सहमति से सिलेक्ट कमेटी ने रिपोर्ट बनाई है।

स्वास्थ्य मंत्री परसादीलाल मीणा बोले-

भगवान राम को भी इमरजेंसी आई थी। जब लक्ष्मण को शक्ति लगी थी। दुश्मन रावण के वैद्य ने आकर इलाज किया था। यह होता है डॉक्टर का धर्म। राइट टू हेल्थ बिल पर बहस का जवाब देते हुए स्वास्थ्य मंत्री परसादीलाल मीणा ने कहा- डॉक्टर अपने धर्म को भूल गए हैं। डॉक्टर अपने धर्म का पालन नहीं कर रहे, बिल को वापस लेने पर अड़ गए थे। हम डॉक्टर्स से मिले थे। डॉक्टर्स केवल एक ही बात पर अड़े हुए थे कि हम तो बिल को वापस लेने से कम पर नहीं मानेंगे। यह कहां तक न्याय संगत है? यह तो हाउस का अपमान हो गया।

तारा ज्योतिष साधना केंद्र में अमावस्या के दिन हुआ दान पुण्य

जयपुर (संस्कार सृजन)। पिंकसिटी जयपुर स्थित तारा ज्योतिष साधना केंद्र में अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य के सानिध्य में अमावस्या के दिन जरूरतमंदों को फल और पानी की बोतल भेंट की गई ।

पंडित रविंद्र आचार्य ने बताया कि महीने की हर अमावस्या को कार्यालय में जरूरतमंदों को दान पुण्य किया जाता है । इस दिन पानी दान करने का विशेष महत्व होता है । हम सभी को दान पुण्य का कार्य करना चाहिए। इस दौरान एडवोकेट के.के. शर्मा ,विनोद कुमार पारीक, संभव सोनी , भीम सोनी, ऋषि पारीक ,सोनल गुरनानी, भानु गुरनानी, धनवंती गुरनानी ,नेहा सोनी आदि लोग मौजूद रहे ।

रामनवमी को होगा माली समाज के 13 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्मेलन,वैभव गहलोत करेंगे शिरकत

चौमूं (संस्कार सृजन)। माली समाज विकास समिति चौमूं द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 16 वें सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन रींगस रोड बस स्टैंड स्थित सैनी समाज सभा भवन में किया जा रहा है । जिसमें 13 जोड़े सात फेरों के बंधन में बंधेंगे ।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष वैभव गहलोत, कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी, मुख्य वक्ता पूर्व विधायक खेतड़ी पूरणमल सैनी, बाल कल्याण समिति चेयरमैन शीला सैनी, विशिष्ट अतिथि दौसा जिला प्रमुख हीरालाल सैनी, एमजेआरपी यूनिवर्सिटी वाइस चांसलर निर्मल पंवार, नगर परिषद कोटपूतली सभापति पुष्पा सैनी, शाहपुरा नगर पालिका चेयरमैन बंशीधर सैनी, विराटनगर नगर पालिका चेयरमैन सुमिता सैनी, थानागाजी नगरपालिका चेयरमैन चौथमल सैनी, नगर पालिका चिड़ावा चेयरमैन सुमित्रा सैनी, नगर पालिका उदयपुरवाटी चेयरमैन एडवोकेट रामनिवास सैनी रहेंगे ।माली समाज विकास समिति अध्यक्ष घीसा लाल सैनी ने बताया कि 30 मार्च को प्रातः 7:15 बजे सिंयाला, प्रातः 8:15 बजे बारात प्रस्थान, 8:30 बजे थाम पूजन, 10 बजे बारात का स्वागत, 11:15 बजे तोरण और वरमाला, 12:15 बजे पाणीग्रहण संस्कार, 12:30 बजे से प्रीतिभोज ,1 बजे भामाशाह का सम्मान, 2:15 बजे आशीर्वाद समारोह और शाम 4:15 बजे विदाई समारोह होगा । इस दौरान सभी समाज बंधु नव दंपतियों को आशीर्वाद प्रदान करेंगे ।

चेयरमैन इकराम राजस्थानी को मिलेगा कला पुरोधा पुरस्कार

जयपुर (संस्कार सृजन)। राजस्थान संगीत नाटक अकादमी जोधपुर ने पंडित जवाहरलाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी के चेयरमैन इकराम राजस्थानी का चयन इस वर्ष के कला पुरोधा पुरस्कार के लिए किया है। यह पुरस्कार जोधपुर के एक भव्य समारोह में 25 मार्च को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा प्रदान किया जाएगा । इकराम राजस्थानी की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान है ।

रक्षाबंधन से मिलेंगे महिलाओं को फ्री स्मार्टफोन

जयपुर (संस्कार सृजन)। राजस्थान में भाई-बहन के पावन पर्व राखी से महिलाओं को स्मार्टफोन मिलेंगे। सीएम गहलोत ने विधानसभा में बजट पर बहस का जवाब देते हुए यह घोषणा की। सीएम गहलोत ने कहा कि प्रारंभिक चरण में 40 लाख लाभांवितों को फ्री मोबाइल दिए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि सीएम गहलोत ने चिरंजीवी परिवारों की महिला मुखिया को स्मार्टफोन उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री डिजिटल सेवा योजना की घोषणा की थी। इसके तहत महिलाओं को फ्री मोबाइल देने के घोषणा की गई थी। सीएम गहलोत ने कहा कि चरणबद्ध तरीके से स्मार्टफोन दिए जाएंगे। सीएम गहलोत ने कहा कि प्रथम चरण के रूप में बहन-बेटियों के पावन पर्व राखी से चिरंजीवी परिवारों की सरकारी विद्यालयों में 10 से 12 वीं कक्षा में अध्ययनरत छात्राओं, सरकारी उच्च शिक्षण संस्थाओं महाविद्यालय, आईटीआई और पोलेटेक्निक में अध्ययनरत छात्राओं तथा विधवा और एकल नारी पेंशन प्राप्त कर रही महिलाओं को इस योजना के तहत स्मार्टफोन उपलब्ध करवाए जाएंगे। इस प्रकार प्रारंभिक चरण में लगभग 40 लाख लाभांवितों को स्मार्टफोन मिलेंगे। सीएम गहलोत ने कहा कि मैंने चिरंजीवी परिवारों की महिला मुखिया को स्मार्टफोन उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री डिजिटल सेवा योजना की घोषणा की थी। इस निर्णय के पश्चात वैश्विक स्तर पर स्मार्टफोन में इस्तेमाल किए जाने वाले चिपसेट का संकट उत्पन्न हो गया। इस वजह से स्मार्टफोन की उपलब्धता की समस्या के साथ ही कीमतों में वृद्धि हो गई थी। फिर भी हम इस कार्य को चरणबद्ध रूप से पूरा करेंगे।

जय श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा भव्य फागोत्सव व भजन संध्या का हुआ आयोजन

जयपुर (संस्कार सृजन)। जय श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा भव्य फागोत्सव व भजन संध्या का आयोजन शहर के रींगस रोड, श्याम कॉलोनी में श्याम दरबार की मनमोहक झांकी सजाकर किया गया । श्री श्याम मंदिर प्रांगण में फागोत्सव एवं भजन संध्या को लेकर महिलाओं व बच्चों में काफी उत्साह देखने को मिला । महिलाएं एवं बच्चे सवेरे से ही मंदिर परिसर में कार्यक्रम को लेकर जुटे हुए दिखाई दिए । संपूर्ण मंदिर को फूल बंगला झांकी से सजाया गया । कलाकारों द्वारा एक से बढकर एक भजनों की प्रस्तुति दी गई । जिस पर श्रद्धालु भावविभोर होकर नाचने लगे । कार्यक्रम का समापन श्री श्याम प्रभु की आरती के पश्चात प्रसाद वितरण कर किया गया। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष सेडूराम यादव, कोषाध्यक्ष रमेश डंगायच, मोहनलाल प्रजापत, व्यवस्थापक बाबूलाल प्रजापत, लालचंद नांगल, रामचंद्र फडया, छोटू राम सैनी रुन्डल, सैनी ऑटो पार्ट्स के प्रह्लाद सैनी, मदनलाल सैनी , बाबूलाल अनंतपुरा,रामनारायण कलवाडा,महेश कलवाडा , रामप्रसाद कलवाडा,ओमप्रकाश सैनी, सोहन प्रजापत,बंशी सैनी,पूरण सैनी सहित सैकडों की संख्या में महिलाएं व बच्चे मौजूद रहे।

संस्कार सृजन

समाचार पत्र की ओर से सभी देशवासियों को चैत्र नवरात्रि और भारतीय नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ

संपादकीय

राहुल को रार से बचना होगा

सियासी अदावत और विद्वेषी वक्तव्यों से उफनती संसद में सिर्फ कुछ लम्हे खुशगवार साबित होते हैं। भारतीय डॉक्यूमेंट्री द एलीफेंट व्हिस्परर्स को ऑस्कर प्राप्ति के बाद बधाई देने के लिए राज्यसभा में आयोजित संक्षिप्त चर्चा लोगों को इसीलिए सुकून के झोंके की तरह गुदगुदा गई। कोई आश्चर्य नहीं कि लंबे अरसे से राजनीतिक विवादों में जकड़े सभापति जगदीप धनखड़ को इस नेक प्रयास के लिए विपक्षी सांसदों तक ने बधाई दी। क्या ऐसा समूचे सत्र के दौरान नहीं हो सकता? क्या हमारे माननीय सांसद सभी मुद्दों पर खुली चर्चा करने का प्रण नहीं ले सकते? बताने की जरूरत नहीं कि संसद की कार्यवाही पर हर मिनट 2.5 लाख से अधिक रुपये खर्च होते हैं, जबकि इस देश के लगभग 25 फीसदी लोगों का प्रतिदिन का औसत खर्च 32 रुपये से भी कम है। दरअसल, हमारे विधान मंडल अब अमीर लोगों की पंचायत बनते जा रहे हैं। पिछले दिनों उत्तर-पूर्व के तीन राज्यों में हुए चुनावों ने इस दुखद फलसफे को नया विस्तार दे दिया है। इन नवनिर्वाचित विधानसभाओं के 180 में से अब 70 माननीय सदस्य करोड़पति हैं। संसद और अन्य विधान मंडलों का हाल इससे कोई खास अलग नहीं है। प्रश्न उठता है, गरीब जनता के ये अमीर प्रतिनिधि अपने मतदाताओं के हक में कुछ संजीदगी नहीं बरत सकते क्या? यह सवाल तब और मौजूं हो उठता है, जब हमारे सामने संसद का मौजूदा सत्र हंगामों की भेंट चढ़ रहा हो। इस बार विपक्ष के कई दल साझा रूप से अडानी उद्योग समूह के मुद्दे पर सरकार को घेरने का प्रयास कर रहे हैं। संयुक्त संसदीय समिति की मांग की तख्तियां संसद भवन में लहरा रही हैं। इस तिक्तता का दुष्प्रभाव प्रादेशिक विधान मंडलों पर भी पड़ रहा है। पिछले दिनों बिहार विधानसभा में उपजे दुखद हालात इसी सिलसिले की अगली कड़ी थे। आप चाहें, तो इसे असंसदीय कह सकते हैं, पर संसदीय मर्यादा की धज्जियां बरसों से उड़ रही हैं। जो पाठक संयुक्त संसदीय समितियों की कार्यप्रणाली न समझते हों, उन्हें बता दूं कि 1987 में भी बोफोर्स मामले में संयुक्त संसदीय समिति का गठन किया गया था और रिपोर्ट तत्कालीन सरकार के पक्ष में गई थी। बोफोर्स अब तक का ऐसा अकेला मुद्दा है, जिसकी वजह से 414 सीटों के अभूतपूर्व बहुमत वाली कांग्रेस को सत्ता गंवानी पड़ गई थी। हालांकि, यह लांछन किसी भी जांच में सही साबित नहीं हो सका। उस समय जो सत्ता में थे, आज विपक्ष में हैं। जो विपक्षी थे, वे हुकूमत कर रहे हैं, पर राजनीति की रीति-नीति जस की तस है। हिंडनबर्ग रिपोर्ट से उठे तूफान पर जो लोग संसदीय समिति की मांग कर रहे हैं, वे यकीनन इस मुद्दे को अगले चुनाव तक जिंदा रखना चाहते हैं। इससे कितना लाभ होगा? पिछले चुनाव में राहुल गांधी ने 'चौकीदार चोर है' का नारा लगाया था। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नकारे जाने के बावजूद वह चुनावी सभाओं में लगातार राफेल का मुद्दा उठाते रहे। नतीजा क्या निकला? यहां यह भी गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट 'सेबी' को समयबद्ध जांच का आदेश दे चुका है और जांचकर्ता अपने काम में जुटे हैं। ध्यान देने की बात यह है कि जब विपक्ष अडानी और जांच एजेंसियों के खिलाफ मोर्चा खोल रहा है, तब सत्ता पक्ष द्वारा राहुल गांधी से लंदन में कही बातों पर माफी मांगने की मांग उठाई जा रही है। सत्तारूढ़ गठबंधन के लोग उनके द्वारा माफी मांगे जाने तक सदन न चलने देने पर अड़े हुए हैं।

हनुमान चालीसा के इन उपायों से पाएं सभी प्रकार के दोष से छुटकारा

हिंदू धर्म में मंगलवार दिन को बहुत ही महत्वपूर्ण दिन माना जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस दिन हनुमान जी की उपासना का विधान है। शास्त्रों में बताया गया है कि मंगलवार के दिन बजरंगबली की पूजा करने से और हनुमान चालीसा का पाठ करने से मनुष्य को रोग, दोष एवं भय से मुक्ति मिल जाती है। साथ ही जीवन में शुभ फलों की प्राप्ति होती है। इसके साथ शास्त्रों में हनुमान चालीसा से जुड़े कुछ ऐसे उपाय भी बताए गए हैं, जिन्हें करने से व्यक्ति को बहुत लाभ मिलता है।

मंगलवार के दिन जरुर करें ये उपाय

मंगलवार के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान ध्यान करें और मन से सभी नकारात्मक भावनाओं को दूर कर दें। इसके बाद तिल के तेल में सिंदूर मिलाकर एक मिश्रण तैयार करें और उस मिश्रण को हनुमान जी के पूरे शरीर पर लगाएं।

इस क्रिया के बाद एक नारीयल पर सिंदूर से स्वास्तिक बनाकर हनुमान जी को अर्पित करें और पीपल के 11 पत्तों पर सिंदूर से श्री राम लिखकर हनुमान जी को अर्पित करें।

बताया गया है कि हनुमान जी को तुलसी का पत्ता बहुत प्रिय है। इसलिए मंगलवर के दिन उनके चरणों में तुलसी के पत्ते पर सिंदूर से श्री राम लिख कर अर्पित करें।

ऐसा करने के बाद बजरंगबली को पान का पत्ता और लड्डू का भोग लगाएं। भोग अर्पित करने के बाद हनुमान जी के मंत्रों का जाप करें और फिर 1, 5, 7 या 11 बार हनुमान चालीसा का पाठ करें।

अंत में मन ही मन अपनी मनोकामनाएं दोहराएं और हनुमान जी की आरती का पाठ करें और उसके बाद प्रसाद को परिवार के सदस्यों में बांट दें।

अमूल्य ज्ञान का बोध

✻ सोलह संस्कार

1.गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6.निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मुंडन संस्कार 9. कर्णवेधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

✻ अष्ट सिद्धि

1.अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लघिमा . 5.प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वशित्व

✻ नव निधियां

1.पद्म निधि 2. महापद्म निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6.मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

✻ 27 नक्षत्र

1.आश्विन, 2.भरणी, 3.कृतिका, 4.रोहिणी, 5.मृगशिरा, 6.आर्द्रा 7.पुनर्वसु, 8.पुष्य, 9.आश्लेषा, 10.मघा, 11.पूर्वा फाल्गुनी, 12.उत्तरा फाल्गुनी, 13.हस्त, 14.चित्रा, 15.स्वाति, 16.विशाखा, 17.अनुराधा, 18.ज्येष्ठा, 19.मूल, 20.पूर्वाषाढ़ा, 21.उत्तराषाढ़ा, 22.श्रवण, 23.धनिष्ठा, 24.शतभिषा, 25.पूर्वा भाद्रपद, 26.उत्तरा भाद्रपद और 27.रेवती

✻ 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12.मीन

✻ नवग्रह

1.सूर्य 2.चंद्र 3.मंगल 4.बुध 5.बृहस्पति 6.शुक्र 7.शनि 8.राहू 9.केतु

✻ चार वेद

1.ऋग्वेद 2.यजुर्वेद 3.सामवेद 4.अथर्ववेद

✻ सप्त ऋषि

1.वशिष्ठ 2.विश्वामित्र 3.कण्व 4.भारद्वाज 5.अत्रि 6.वामदेव 7.शौनक

✻ 18 पुराण

1.ब्रह्म पुराण 2.पद्म पुराण 3.विष्णु पुराण 4. वायु पुराण (शिव पुराण)5.भागवत पुराण 6.नारद पुराण 7. मार्कण्डेय पुराण 8.अग्नि पुराण 9.भविष्य पुराण 10.ब्रह्मवैवर्त पुराण 11.लिंग पुराण 12.वाराह पुराण 13.स्कन्द पुराण 14.वामन पुराण 15.कूर्म पुराण 16.मत्स्य पुराण 17.गरुड पुराण 18.ब्रह्माण्ड पुराण

नवरात्रि पर मां दुर्गा को प्रसन्न करना चाहते हैं तो घर ले आइए इन 7 चीजों को

22 मार्च से चैत्र नवरात्रि शुरू हो रहे हैं और इन दिनों मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। इस बार नवरात्रि में गजकेसरी योग, बुधादित्य योग, शश योग, हंस योग, राजलक्षणा योग और धर्मात्मा जैसे शुभ योग बन रहे हैं। साथ ही 5 ग्रह एक साथ मीन राशि में संयोग बना रहे हैं। ग्रहों और शुभ योग के इस संयोग से चैत्र नवरात्रि का महत्व और भी बढ़ गया है। नवरात्रि में कलश स्थापना की जाती है और इसके लिए कुछ चीजों की जरूरत होती है, जिनको कुछ दिन पहले ही घर लेकर आना होता है। इन चीजों के बिना कलश स्थापना और मां दुर्गा की पूजा अधूरी मानी जाती है। पूजा में इन चीजों के होने से मां दुर्गा के आशीर्वाद से भाग्य जागृत होता है और सुख-समृद्धि भी बनी रहती है। आइए जानते हैं नवरात्रि की पूजा से पहले कौन सी चीजें घर लेकर आनी चाहिए...

माता श्रृंगार का सामान कलश स्थापना और मां दुर्गा की पूजा में सोलह श्रृंगार के सामान की आवश्यकता पड़ती है, इसलिए अभी से इसको घर में लाकर रख लें। माता की पूजा में सोलह श्रृंगार का सामान अर्पित करने से सुख-सौभाग्य में वृद्धि होती है और मां दुर्गा की कृपा से आरोग्य की प्राप्ति होती है।

नवरात्रि पूजा कलश नवरात्रि में मां दुर्गा की पूजा से पहले कलश स्थापना की जाती है इसलिए घर में अभी से कलश लाकर रख लें। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कलश को ब्रह्मांड के प्रतीक के तौर पर स्थापित किया जाता है, जिसके केंद्र में सभी देवी-देवताओं का निवास होता है। शास्त्रों के अनुसार, कलश के मुख में भगवान विष्णु, कंठ में रुद्र तथा मूल भाग में ब्रह्माजी निवास करते हैं।

कलश स्थापना में पल्लव कलश पर रखने के लिए पल्लव की जरूरत पड़ती है, जिसे पंच पल्लव के नाम से भी जाना जाता है। पल्लव में पीपल, गूलर, अशोक, आम और वट के पत्ते होते हैं, जिनको कलश पर रखा जाता है और उसके ऊपर नारियल रखा जाता है। अगर इनके पत्ते ना मिल आम के पत्तों का प्रयोग कर सकते हैं।

पूजा में दुर्गा बीसा यंत्र या श्रीयंत्र चैत्र नवरात्रि की पूजा से पहले पूजा-पाठ के सामान में दुर्गा बीसा यंत्र या श्रीयंत्र अवश्य लेकर आएं। मान्यता है कि नवरात्रि में मां दुर्गा की मूर्ति या तस्वीर के पास दुर्गा बीसा यंत्र रखने से धन वैभव की प्राप्ति होती है। साथ ही यह यंत्र रक्षा कवच के तौर पर काम करता है, जो आने वाली सभी परेशानियों को दूर रखता है।

मां दुर्गा की पताका/ध्वजा चैत्र नवरात्रि में मां दुर्गा को ध्वजा या पताका अर्पित करना बहुत उत्तम माना जाता है। पताका विजय का सूचक माना जाता है और इसे घर पर लगाने से मां दुर्गा का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है। अगर आप पताका को घर पर नहीं लगाना चाहते तो उसे देवी मां के मंदिर में अवश्य चढ़ाएं। वहीं अगर घर पर लगा रहे हैं तो उत्तर-पश्चिम दिशा में स्थापित करें। माता को ध्वज अर्पित करने से सफलता मिलती है और हर धार्मिक अनुष्ठान सफल होता है।

घटस्थापना के लिए जौ नवरात्रि की पूजा में घटस्थापना पर जौ बोया जाता है, जो बहुत ही शुभ माना जाता है इसलिए अभी से घर में जौ लाकर रख लें। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, घट स्थापना में जौ बोने से घर में धन-धान्य की कमी नहीं होती और यह समृद्धि, खुशहाली और उन्नति का प्रतीक माना जाता है। बताया जाता है कि कलश स्थापना में बोए जाने वाले जौ भविष्य की घटनाओं के बारे में बता देते हैं।

मां दुर्गा की मूर्ति या तस्वीर नवरात्रि की पूजा से पहले घर में अभी से मां दुर्गा की मूर्ति या तस्वीर घर ले आएं। अगर आप पीतल या अष्टधातु की देवी मां की मूर्ति घर ले आएं तो बहुत उत्तम माना जाता है लेकिन ध्यान रहे कि अगर घर में पहले से ही मूर्ति या तस्वीर है तो दूसरी मूर्ति या तस्वरी ना खरीदें। वहीं अगर टूटी फूटी मूर्ति हो तो उसे घर से निकाल दें।

चाणक्य नीति के अनुसार इस स्थान पर खुशी-खुशी वास करती हैं मां लक्ष्मी

चाणक्य नीति के अनुसार इस स्थान पर आचार्य चाणक्य की गणना विश्व के

श्रेष्ठतम विद्वानों में की जाती है। उनके द्वारा रचित चाणक्य नीति को आज भी विश्व भर में पढ़ा और सुना जाता है। आचार्य चाणक्य की नीतियों का पालन करके ही महान सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य ने मगध देश पर मौर्य वंश की स्थापना की और धनानंद जैसे शासक को परास्त किया था। आचार्य चाणक्य को न केवल राजनीति, कूटनीति, रणनीति का ज्ञान था, बल्कि उन्हें जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के विषय में विस्तृत ज्ञान था। चाणक्य नीति के इस भाग में आज हम जानेंगे की माता लक्ष्मी कैसे स्थान पर खुशी-खुशी वास करती हैं और संसार में क्या निश्चल है?

चाणक्य नीति ज्ञान

मूर्खाः यत्र न पूज्यन्ते धान्यं यत्र सुसंचितम् ।
दाम्पत्योः कलहो नास्ति तत्र श्री स्वयमागता ।।

आचार्य चाणक्य ने इस श्लोक के माध्यम से बताया है कि जिस स्थान पर मूर्ख या अज्ञानी व्यक्ति का सम्मान नहीं होता है, जहां अन्न का भंडार हर समय भरा रहता है।

शुरू हो रहा हिंदू नव वर्ष, जानिए विक्रम संवत 2080 के बारे में खास बातें

नए साल की शुरुआत 1 जनवरी से होती है, लेकिन हिंदू कैलेंडर की बात करें, तो नए साल की शुरुआत मास के हिसाब से होती है। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि के साथ नए साल की शुरुआत हो जाती है। इस साल हिंदू कैलेंडर के नए साल साल की शुरुआत 22 मार्च 2023 से हो रही है, जो हिंदू विक्रम संवत 2080 होगा। जानिए विक्रम संवत के बारे में कुछ खास बातें।

हिंदू कैलेंडर के आखिरी माह को फाल्गुन मास माना जाता है और इसके बाद के माह यानी चैत्र मास के साथ नया साल शुरू हो जाता है। हर साल चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि के साथ नया विक्रम संवत शुरू हो जाता है।

कैसे शुरू हुआ विक्रम संवत?

हर किसी के दिमाग में ये बात जरूर आती होगी कि आखिर हिंदू नववर्ष के साथ विक्रम संवत भी क्यों आता है। बता दें कि इसका शुरुआत राजा विक्रमादित्य ने की थी। विक्रम संवत शुरू होते ही विक्रमादित्य ने अपनी प्रजा को सभी कर्जों से मुक्त कर दिया था। नए विक्रम संवत को हर राज्य में अलग-अलग नाम से जाना जाता है।

हुई थी नए पंचांग के शुरुआत माना जाता है कि चैत्र मास की प्रतिपदा तिथि पर ही गणितज्ञ भास्कराचार्य ने वर्ष, नाह, सूर्योदय-सूर्यास्त आदि की रचना की थी। इसी के कारण इस दिन ही नए पंचांग की शुरुआत हुई थी। इसी पंचांग के आधार पर हिंदू धर्म में किसी भी शुभ या मांगलिक काम को किया जाता है।

हिंदू कैलेंडर में होते हैं पूरे 12 माह बता दें कि हिंदू कैलेंडर के अनुसार पूरे 12 नाह होते हैं, जिन्हें चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, अश्विन, कार्तिक, मार्गशीर्ष, पौष, माघ और फाल्गुन मास के नाम से जानते हैं।

ब्रह्मा जी ने की थी सृष्टि की रचना शास्त्रों के अनुसार माना जाता है कि ब्रह्मा जी ने चैत्र मास की प्रतिपदा तिथि के साथ ही सृष्टि की रचना करना आरंभ किया था।

सतयुग का हुआ आरंभ माना जाता है कि चार युगों में से एक सतयुग का आरंभ इसी मास से हुआ था। यह सृष्टि के कालचक्र का पहला दिन माना जाता है। बता दें कि चार युग क्रमशः सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग, और कलयुग हैं।

मां दुर्गा के स्वरूप चैत्र नवरात्रि के दिन ही मां दुर्गा ने महिषासुर से युद्ध करना शुरू किया था, जो चैत्र नवरात्रि के नवमी तिथि को समाप्त हुआ था। इसी कारण चैत्र मास की प्रतिपदा तिथि से नवरात्रि आरंभ होते हैं, जो पूरे नौ दिनों तक चलते हैं। इन नौ दिनों में मां दुर्गा के 9 स्वरूपों की पूजा की जाती है।

धर्म दर्शन

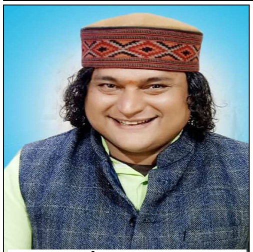

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता
पंडित रविन्द्राचार्य

पाक्षिक राशिफल

मेष राशि – सितारों की चाल दांपत्य जीवन के आंगन में हंसी-खुशी के पल देगी। धन कमाने और जुटाने के प्रयासों को काफ़ी सफलता का उपहार मिलेगा। मेष राशि के जातक प्रेम संबंधों में भागीदारों के बीच प्रेम के पल बिता सकते हैं। इस दौरान आर्थिक प्रगति के अवसर मिलेंगे। अगर लेन-देन संबंधी कोई समस्या है, तो उसे निपटाने में समय लग सकता है। इसलिए प्रयास जारी रखने में संकोच न करें तो अच्छा होगा।

वृष राशि – मन को प्रसन्न रखना, अच्छा सोचना और पौष्टिक पदार्थों का सेवन करना आपके स्वास्थ्य के लिए सुखद और अद्भुत रहेगा। रोजी-रोटी से जुड़े कार्यों को पूरा करने में निरंतर प्रगति का दौर रहेगा । विरोधी पक्ष कुछ परेशान करने की साजिश रच सकते हैं।

मिथुन राशि – रचनात्मक कार्यों को अंजाम तक पहुंचाने में कारगर साबित होंगे। जिससे परिवार घर के कामों को पूरा कर पाएगा। रचनात्मक कार्यों में रुचि जागृत होगी। घर, परिवार और समाज में व्यवहार बेहतर रहेगा। संतान के दायित्वों के प्रति सक्रियता रहेगी।

कर्क राशि – शुरुआत से आपको अपनी आजीविका के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा और प्रवास पर जाना होगा। लाभांश से पूंजी निवेश में वृद्धि हो सकती है। कुछ कार्यों को पूरा करने में अधिक समय लग सकता है। स्वास्थ्य पहले से कुछ कमजोर रहेगा। दांपत्य जीवन के आंगन में हंसी-खुशी के पल आएंगे।

सिंह राशि – मार्केट की मांग और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने सकते हैं। लेकिन स्वास्थ्य के मामले में कुछ परेशान रहेंगे। वैसे माता-पिता व परिजनों का सहयोग बनाए रखने के लिए अधिक तत्पर रहने की आवश्यकता होगी । प्रेम संबंधों में समझदारी से चलने की जरूरत होगी। संतान पक्ष से लाभ के अवसर मिलेंगे।

कन्या राशि – राजनीतिक और सामाजिक सरोकारों से निपटने के मामले में सुखद रहेंगे। यदि आप किसी पद और उत्तरदायित्व की दौड़ में शामिल हैं तो सितारों की चाल आपको अनुकूल वातावरण देगी। किसी धार्मिक व वैवाहिक कार्य को अंतिम रूप देने की मंशा फलीभूत होगी। पूंजी निवेश और विदेश से जुड़े कार्यों में कुछ समय लग सकता है।

तुला राशि – महंगे कपड़े बनाने और संग्रह करने में अनुकूल रहेंगे। ग्रहों की चाल सुखद परिणाम प्रदान करेगी। परिणामस्वरूप कुछ बड़ी योजनाएं आपके हाथ लग सकती हैं। अगर आप किसी जमीन जायदाद की खरीदारी में लगे हैं तो मनचाही तरक्की के अवसर मिलेंगे। फलस्वरूप उनसे संबंधित दस्तावेजों को निपटाने में प्रगति होगी। लेकिन स्वास्थ्य के मामले में सितारे कमजोर रह सकते हैं। ऐसे में खान-पान पर पूरा ध्यान दें। कुछ विरोधी सक्रिय हो सकते हैं। इसलिए धैर्य और विश्वास बनाए रखें।

वृश्चिक राशि – शारीरिक क्षमताओं के लिए अनुकूल रहने वाला है। अगर पूर्व में कोई रोग या परेशानी है तो उसे दूर करने में आप सफल हो सकते हैं। दांपत्य जीवन सुखद और अद्भुत रहेगा। अगर आप नौकरी की तलाश कर रहे हैं तो सितारों की चाल मनचाहा परिणाम देगी। इससे निजी और सरकारी कार्यों में लाभ प्राप्त होगा। स्वास्थ्य के मामले में इस सप्ताह के सितारे अच्छे रहेंगे।

धनु राशि – सितारों की चाल आपको पढ़ाई और अध्यापन से संबंधित पहलुओं में महारत हासिल करने के अवसर देगी। अगर आप किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो सितारों की चाल खूबसूरत परिणाम दे सकती है। यदि आप फिल्म, अभिनय, कला, संगीत और चिकित्सा के क्षेत्र में हैं, तो आपको वांछित परिणाम पाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है। हालांकि धन संबंधी मामलों में खर्चा अधिक रहेगा।

मकर राशि – आजीविका के क्षेत्रों में कदम-कदम पर सफलता मिलेगी। अगर आप कहीं घूमना-फिरना चाहते हैं तो मनचाही सफलता मिलेगी। चाहे वह फिल्म निर्माण, अनुसंधान, कला, प्रबंधन, प्रौद्योगिकी और चिकित्सा से संबंधित क्षेत्र हों या विकास के अन्य महत्वपूर्ण अवसर हों। अगर आप सिविल और प्रतियोगी परीक्षाओं में अपना भाग्य आजमा रहे हैं तो प्रयास जारी रखें।

कुंभ राशि – संबंधित क्षेत्रों में निरंतर प्रगति के अवसर प्राप्त होंगे। निजी क्षेत्र हो या सरकारी क्षेत्र, सितारों की आवाजाही सुखद परिणाम देगी। इससे मन में कदम-कदम पर उत्साह बना रहेगा। लेकिन संतान पक्ष को लेकर कुछ चिंतित रहेंगे। आपको कहीं यात्रा और प्रवास के सिलसिले में जाना होगा।

मीन राशि – सितारों की चाल किसी भी धर्म और दान के कार्यों को पूरा करने में महत्वपूर्ण होगी। फलस्वरूप संबंधित कार्यों को पूरा करने के लिए मन उत्साहित रहेगा। मीन राशि के लोगों के प्रेम संबंधों में साझेदारों के बीच प्यार के पल आएंगे। कार्य व्यवसाय में फिर से वृद्धि होगी। संतान पक्ष को लेकर कुछ चिंतित रहेंगे।

केरल के इस मंदिर में महिलाओं के प्रवेश के लिए है विशेष नियम, जानकर आप भी हो जाएंगे हैरान

केरल के कन्नूर जिले में स्थित राजराजेश्वर मंदिर हिंदू धर्म के लिए काफी ज्यादा फेमस है। इस मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ लगी रहती है। लेकिन इस मंदिर में महिलाओं के प्रवेश के लिए अलग नियम है।

देवों के देव महादेव को विनाश का देवता कहा गया है। हिंदू धर्म में भगवान शिव का विशेष स्थान है। आपने भी भारत में उनके कई मंदिर देखे होंगे।

जहां पर श्रद्धालुओं की भारी संख्या में भीड़ रहती है। हालांकि इन मंदिरों में भक्तों के मंदिर जाने का कोई विशेष नियम या रोकटोक नहीं है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि केरल में एक ऐसा मंदिर हैं, जहां पर महिलाओं के आने-जाने के अलग नियम बनाया गया है। देश में एक सौ आठ प्राचीन मंदिरों में केरल के कन्नूर जिले में स्थित राजराजेश्वर मंदिर के नाम से फेमस है। बताया जाता है कि इस मंदिर का जीर्णोद्धार ऋषि परशुराम ने करवाया था। यह एक मंदिर शक्तिपीठों में शुमार है। आइए जानते हैं कि महिलाओं के मंदिर में प्रवेश के लिए यह नियम क्यों बनाया गया है।

यहां गिरा था माता सती का सिर ऋषि परशुराम द्वारा जीर्णोद्धार कराए गए इस मंदिर को शक्तिपीठ माना जाता है। मान्यता के अनुसार, यहां पर माता सती का सिर गिरा था। जिसके बाद यहां पर शक्ति पीठ का निर्माण हुआ था। माता सती के कारण इस जगह का अपना विशेष महत्व है।

मंदिर की महिमा केरल के कन्नूर जिले में स्थित राजराजेश्वर मंदिर केरल शैली की वास्तुकला में बना है। इस मंदिर की छत पर एक सुंदर कलाशम स्थित है। वहीं मंदिर के चारों ओर दरवाजे बने हुए हैं। दक्षिण और पूर्व की ओर वाले दरवाजे केवल खुले हैं। पूर्व की ओर बने दरवाजे से आप ज्योतिर्लिंगम के दर्शन कर सकते हैं। आपको बता दें कि मंदिर में बायीं ओर एक शुभ दीपक जलता रहता है। बताया जाता है कि इस दीपक को अगस्त्य ने जलाया था। मंदिर की फर्श पर आप ज्योतिर्लिंग के दोनों ओर घी के दीयों की एक लंबी लाइन देखने को मिलेगी।

धार्मिक अनुष्ठानों का पालनबता दें कि इस मंदिर की तरह ही यहां के रीति-रिवाज भी काफी अनोखे हैं। यहां पर पुरुष तो किसी भी समय दर्शन के लिए आ सकती है। लेकिन महिलाओं को विशेष नियम का पालन करना पड़ता है। महिलाओं को मंदिर में 8 बजे के बाद ही प्रवेश मिलता है। मान्यता है कि भगवान भोलेनाथ द्वारा दिया गया वरदान आज भी उसी तरह से फलीभूत हो रहा है। इस मंदिर में लोग खोया हुआ मान-सम्मान, स्वास्थ्य, कीमती वस्तु और लंबी आयु की प्रार्थना लेकर आते हैं। इसके अलावा इस मंदिर को 11 अखंड नंदा दीपों के लिए भी जाना जाता है।

अखंड दीप से बनता है काजल इस मंदिर में आने वाले श्रद्धालु दीपक में घी दान करके मन्नत मांगते हैं। भक्तों द्वारा घी का इतना ज्यादा दान किया जाता है कि इसको रखने के लिए खास जनत करना पड़ता है। बता दें कि भक्तों द्वारा दान किए गए घी को रखने के लिए मंदिर प्रबंधन को दो फ्लोर विशाल भवन बनाना पड़ा है। बता दें कि अखंड नंदा दीपक से बना काजल बुरी नजर से रक्षा करता है।

मंदिर का रहस्य राजराजेश्वर मंदिर की वास्तुकला बेहद अनोखी है। इस मंदिर के शिखर यानि की गुंबद को इस तरीके से बनाया गया है कि इसकी परछाई जमीन पर नहीं दिखाई देती है। बता दें कि मंदिर के शिखर पर लगे पत्थर कुम्बम का भार करीब 80,000 किलो है। इस मंदिर के शिखर पर इतने भारी पत्थर को किस तरह से ले जाया गया है। यह आज भी रहस्य बना हुआ है। बताया जाता है कि यहां पर 1.6 किलोमीटर लंबा एक रैंप बना था, जिसके सहारे इंच दर इंच पत्थर को खींच कर ले जाया जाता है।

न्याय हो तो ऐसा (कहानी)

प्रभाती लाल सैनी

एक राजा था जिसका नाम था कर्णराज, कर्णराज न्याय प्रिय और बुद्धिमान राजा था जो अपनी प्रजा के साथ न्याय करने के साथ- साथ उन्हें ज्ञान का उपदेश भी देता था। अपनी प्रजा को सही और गलत का भेद सीखाता था । कर्णराज को वृक्षों से बहुत प्रेम था और वो अपनी प्रजा को मनुष्य, जानवर तथा वृक्षों में अहम् सबंध हैं, इसका पाठ सीखाया करता था वो हमेशा प्रजा से कहता था कि मनुष्य को पेड़ पौधों का रक्षण करना चाहिए और जानवरों का भी ध्यान रखना चाहिए । एक बार एक ग्रामीण को अपने घर को बड़ा करना था और उसके इस काम में आँगन में लगा वृक्ष एक बहुत बड़ी बाधा था । उस ग्रामीण ने आम के हरे भरे वृक्ष को काट दिया जब यह बात राजा कर्णराज को पता चली तो उसे बहुत दुःख हुआ और उसने सैनिको को आदेश दिया कि वो उस ग्रामीण को दरबार में पेश करे । अगले दिन उस ग्रामीण को दरबार में लाया गया उस ग्रामीण ने राजा कर्णराज से माफी मांगी, अपने बच्चो की दुहाई दी कि उसे माफ़ कर दे, वो अगली बार ऐसा नहीं करेगा लेकिन राजा ने एक ना सुनी । राजा कर्णराज ग्रामीण को सजा देने का तह कर चुके थे ।

सभी के सामने राजा ने सजा सुनाई राजा ने उस ग्रामीण से कहा कि तालाब के पास की जगह पर वो प्रति वर्ष 20 वृक्ष लगाये और उनकी देख रेख करे और यह काम उसे 5 वर्षों तक करना होगा, साथ ही सैनिको को इस काम की निगरानी करने कहा गया । उस वक्त तो सभी को यह सजा सही नहीं लगी पर पांच वर्षों के बाद जब तालाब के आस पास का इलाका देखा गया तो वह हरा भरा और काफी रोचक था इससे सभी को सीख मिली ।

चाणक्य नीति से जानिए वास्तव में कौन है व्यक्ति का सच्चा मित्र?

जीवन में सफलता के लिए आचार्य चाणक्य की नीतियों को बहुत ही उपयोगी माना जाता है। उनके द्वारा रचित चाणक्य नीति में सफलता के कुछ गुण बताएं गए हैं, जिनका पालन करने से लाखों युवा जीवन में आ रही अड़चनों को आसानी से पार कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने मनुष्य को कुछ महत्वपूर्ण तथ्यों से भी अवगत कराया है, जिन्हें जानने से और उन बातों पर ध्यान देने से व्यक्ति अपने जीवन में कई प्रकार के सकारात्मक बदलाव ला सकता है।

बता दें कि आचार्य चाणक्य की गणना विश्व के श्रेष्ठतम विद्वानों में की जाती है। उन्होंने सही-गलत में अंतर को कई श्लोक और अपनी रचनाओं के माध्यम से समझाया है। साथ ही उन्होंने बताया है कि एक सच्चा मित्र कौन होता है और मित्रता का अर्थ क्या है? आइए जानते हैं-

चाणक्य नीति से जानिए सच्चा मित्र कौन है

विद्या मित्रं प्रवासेषु भार्या मित्रं गृहेषु च । व्याधितस्यौषधं मित्रं धर्मो मित्रं मृतस्य च ।।

इस श्लोक के माध्यम से आचार्य चाणक्य बता रहे हैं कि विदेश में रहने वाले व्यक्ति का मित्र ज्ञान है, घर में पत्नी और घर के सदस्य मित्र होते हैं। आचार्य आगे बताते हैं कि एक रोगी के लिए उसका मित्र दवा होती है और मृत्यु के बाद धर्म ही सच्चा मित्र होता है। इसलिए जीवन में कभी भी इन मित्रों से बैर नहीं रखना चाहिए और सदैव इनका आदर करना चाहिए।

आतुरे व्यसने प्राप्ते दुर्भिक्षे शत्रुसण्कटे । राजद्वारे श्मशाने च यात्तिष्ठति स बान्धवः ।।

इस श्लोक के माध्यम से आचार्य चाणक्य बता रहे हैं कि अस्वस्थता के समय, शत्रु से घिर जाने के समय या कार्य में जो व्यक्ति सहायक की भूमिका निभाता है और जो मृत्यु के उपरांत भी शमशान तक शरीर को ले जाता है, वही सच्चा मित्र होता है और वह सदैव आपका हित चाहता है।

फार्म- 4
(नियम 8 देखिए)

1. प्रकाशन का स्थान	: जयपुर
2. प्रकाशन अवधि	: पाक्षिक
3. मुद्रक का नाम	: राम गोपाल सैनी
(क्या आप भारत के नागरिक है?)	: हाँ
(यदि विदेशी है तो मूल देश)	: नहीं
पता	: वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर
4. प्रकाशक का नाम	: राम गोपाल सैनी
(क्या आप भारत के नागरिक है?)	: हाँ
(यदि विदेशी है तो मूल देश)	: नहीं
पता	: वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर
5. सम्पादक का नाम	: राम गोपाल सैनी
(क्या आप भारत के नागरिक है?)	: हॉं
(यदि विदेशी है तो मूल देश)	: नहीं
पता	: वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर
6. उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हो तथा जो समस्त पूँजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार(एकमात्र स्वामी) हों।	: राम गोपाल सैनी वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर

मैं राम गोपाल सैनी एतद्द्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य है।

दिनांक : 22 मार्च, 2023

(राम गोपाल सैनी)
प्रकाशक के हस्ताक्षर

जेसीआई बेंगलुरु कॉस्मो ने सरकारी विद्यालय में जल शुद्धीकरण यंत्र का किया लोकार्पण

बेंगलुरु (संस्कार सृजन)। जेसीआई बेंगलुरु कॉस्मो द्वारा सरकारी प्राथमिक विद्यालय कादिरेनहल्ली में प्रोजेक्ट सुजल के अंतर्गत जल शुद्धीकरण यंत्र का लोकार्पण किया गया । कार्यक्रम में कॉस्मो अध्यक्ष दिनेश मरोठी ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं जोन टीम का स्वागत किया और कॉस्मो द्वारा आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की जानकारी दी। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जितेंद्र मान ने जेसीआई इंडिया द्वारा निर्देशित सामाजिक विकास के कार्यक्रमों की जानकारी दी एवं वाटर फिल्टर उद्घाटन की सराहना की। जोन अध्यक्ष सुश्री यशस्विनी बेंगलुरु कॉस्मो को जौन 14 की सर्वश्रेष्ठ शाखा में से एक बताते हुए शुभकामनाएं संप्रेषित की । जल शुद्धीकरण यंत्र के प्रायोजक तिरुपति सिनपैक प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य प्रबंधक माणिकलाल बाहेती ने नर सेवा को नारायण सेवा बताते हुए यह अवसर प्रदान करने के लिए जैसीआई बेंगलुरु कॉस्मो का धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय नेतृत्व एवं प्रायोजक परिवार का सम्मान किया गया।

वाटर फिल्टर उद्घाटन से पूर्व लगभग 90 मिनट तक स्कूली बच्चों के लिए विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें आशा जैन ने परीक्षा से भय मुक्त रहने के विशेष टिप्स हुए बच्चों को जीवन में निरंतर विकास करने की प्रेरणा दी। तत्पश्चात लगभग डेढ़ सौ स्कूली बच्चों को राजवीर मरोठी के जन्मदिन के उपलक्ष में केक और जूस का वितरण किया गया । कार्यक्रम के सफल आयोजन में उपाध्यक्ष खुशी बोराणा, श्वेता नाहता, समन्वयक मुकुल गांधी, रजनी बैद का विशेष श्रम लगा। कार्यक्रम में जॉन उपाध्यक्ष आशा जैन, जयेश भंसाली, गौतम बोथरा, गौतम खाब्या आदि की विशेष उपस्थिति रही । स्कूल प्रधानाध्यापिका अनुसूईया ने वाटर फिल्टर स्थापित करने के लिए जेसीआई बेंगलुरु कॉस्मो का आभार ज्ञापन किया।

आकांक्षा तिवारी बनी मिस इंडिया एक्सक्लूसिव 2023

जयपुर (संस्कार सृजन)। गोल्ड इवेंट्स और डे नाइट मोशन पिक्चर्स द्वारा राजस्थान की राजधानी जयपुर में नेशनल ब्यूटी पैजेंट मिस और मिसेज़ इंडिया एक्सक्लूसिव 2023 का आयोजन किया गया जिसमे दिल्ली की आकांक्षा तिवारी ने मिस इंडिया एक्सक्लूसिव 2023 का ताज अपने नाम किया ।

कार्यक्रम में शहर के नामचीन लोगों ने शिरकत की ।राधिका सेन ने फ़र्स्ट रनर अप और ईशा तुलायत ने सेकण्ड रनर अप का ताज अपने नाम किया और चंडीगढ़ की मेधा मिस इंडिया रनवे इंटरनेशनल चुनी गई । शो में देश भर से 17 राज्यो से मॉडल्स ने हिस्सा लिया ।

जिन्हें प्रियंका पण्डा ने बहुत ही अच्छे तरीक़े से ग्रूम और कोरियोग्राफ़ किया। ऑर्गनाइज़र राज शर्मा और पीयूष शर्मा ने बताया की मिस इंडिया एक्सक्लूसिव की विनर आकांक्षा तिवारी आने वाले इंटरनेशनल पेजेंट मिस यूनिवर्स एक्सक्लूसिव में देख को प्रेजेंट करेंगी जिस का आयोजन इस वर्ष दिसम्बर में होगा । सभी पार्टिसिपंट्स को सावी चौधरी, निशा तंवर और मिसेज़ इंडिया इलीगेंट शिल्पी शर्मा ने जज किया । विनर्स को परिधानी की तरफ़ से गिफ्ट्स और उपहार दे कर सम्मानित किया गया ।

अभिनेत्री रेखा परिहार ने जीता स्टनिंग ब्यूटी क्वीन का खिताब

जयपुर (संस्कार सृजन)। स्टनिंग लेडीज ग्रुप और नई राह फाउंडेशन की ओर से साड़ीत्व नारीत्व की पहचान फैशन शो का आयोजन किया गया ।

नई राह ग्रुप की फाउंडर जय श्री शर्मा ने बताया कि फैशन शो में 57 लेडीज ने पार्टिसिपेट किया । जिसमें रेखा परिहार को स्टनिंग ब्यूटी क्वीन के खिताब से नवाजा गया । वहीं संजना शर्मा फर्स्ट रनर अप और सुमन प्रतीक सेकंड रनर अप रही । कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में आरती जैन, प्रेम डिगवाल और रुचि जैन ने शो में शिरकत की । बॉलीवुड एक्टर आर्यन, मॉडल शिवानी पुरोहित एवं सीमा भी मौजूद रही । रीमा गोधा को नारी की अद्भुत पहचान के सम्मान से नवाजा गया । रेखा परिहार ने कहा कि ये अवार्ड मां के

आशीर्वाद और गुरुजनों के सम्मान से उन्हें मिला है। गौरतलब है कि रेखा परिहार ने यूट्यूब चैनल सच्चे कलाकार के डायरेक्टर उग्रसेन तंवर के साथ करीब 25 शार्ट फिल्मों में मुख्य अभिनेत्री के तौर पर काम किया है ।

मरुभूमि चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा पोहे और मिल्करोज का वितरण

जयपुर। मरुभूमि चैरिटेबल ट्रस्ट की संस्थापक रजनी राठौड़ की तरफ से कैम्प लगाया गया। जिसमे हजारों लोगों को पोहे और मिल्करोज का वितरण किया गया। इस कार्य सेवा में आर्यवीर सिंह, शाहिद पठान, अश्वनी ब्रजवासी, सुनील जांगिड़, शाकिर, मोहन लाल, गौतम चटर्जी, राजू खंडेलवाल, जितेंद्र, अरविंद गुप्ता का विशिष्ट सहयोग रहा।

रेखा देवी शर्मा को मिला डेयरी वूमन ऑफ द ईयर अवार्ड

जयपुर (संस्कार सृजन)। गुजरात में आयोजित 49 वीं डेयरी इंडस्ट्री कॉन्फ्रेंस में राजस्थान में किए जा रहे सफल डेयरी प्रयासों को सराहा गया । कार्यक्रम में राजस्थान के जयपुर जिले के बरना ग्राम, हीरा बाबा की ढाणी निवासी रेखा देवी शर्मा पत्नी हरिनारायण शर्मा को डेयरी वूमन ऑफ द ईयर अवार्ड दिया गया । यह अवार्ड गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री पुरुषोत्तम रुपाला, गुजरात मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के अध्यक्ष मिनेश शाह के द्वारा दिया गया। गौरतलब है कि रेखा देवी शर्मा वर्ष 2012 से पायस दुग्ध उत्पादक कंपनी की सदस्य के रूप में कार्य कर शानदार दुग्ध का संकलन कर रही हैं ।

प्लास्टिक बैग्स की जब्ती कर 4.09 करोड़ राशि का जुर्माना वसूला : विश्नोई

जयपुर(नि.सं.)। श्रम राज्य मंत्री सुखराम विश्नोई ने विधानसभा में पर्यावरण मंत्री की ओर से कहा कि नगरीय निकायों में माह दिसम्बर, 2022 तक 415.10 टन प्लास्टिक कैरी बैग्स की जब्ती कर 4.09 करोड़ राशि का जुर्माना वसूला गया है। उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार की पूरी मंशा है कि प्लास्टिक पर पूर्णतया प्रतिबंध रहें। विश्नोई प्रश्नकाल में इस संबंध में सदस्यों द्वारा पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक कैरी बैग्स पर राज्य सरकार द्वारा अधिसूचना 21 जुलाई 2010 के द्वारा प्रतिबन्ध लगाया गया है। उन्होंने कहा कि इन नियमों के तहत प्लास्टिक बैग के उपयोग करने पर 2019 से अब तक 35 अभियोजन पेश किए गए जबकि पूर्ववती सरकार द्वारा इस मामले में केवल 16 अभियोजन पेश किए गए।

गोल्ड मेडलिस्ट रंगमंच कलाकार सुनील सोगण ने किया कृष्णा सैनी का सम्मान

जयपुर (संस्कार सृजन)। श्री गीतागोपाल नाट्यकला संस्थान चौमूं के तत्वाधान में चौमूं निवासी कृष्णा सैनी को संगीत कला के ढुंढाडी लोक गायन के क्षेत्र में कला-संस्कृति सम्मान-2022 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान संस्थान के अध्यक्ष गोल्ड मेडलिस्ट रंगमंच कलाकार सुनील सोगण ने प्रदान किया ।

सम्मान के रूप में स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया । कृष्णा सैनी चौमूं क्षेत्र में ढुंढाडी लोक गायन के क्षेत्र में प्रयासरत एक अच्छी कलाकार है । रंगमंच कलाकार सुनील सोगण कला के हर विधा के कलाकारों का सम्मान कर रहे हैं, इनका उद्देश्य है रंगमंच और कला का विकास करना।

जॉब फेयर के प्रथम दिन 3600 युवाओं को मिला रोजगार

संवेदनशील,पारदर्शी एवं जवाबदेह सुशासन देने में आईटी की भूमिका अहमः मुख्यमंत्री

जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार आमजन को संवेदनशील, पारदर्शी एवं जवाबदेह सुशासन देने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। इसमें सूचना प्रौद्योगिकी की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी ने आईटी के माध्यम से देश को 21वीं सदी से जोड़ने का स्वप्न देखा था। आज राज्य सरकार द्वारा आईटी के बजट में लगातार बढ़ोतरी की जा रही है तथा सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से करोड़ों प्रदेशवासियों को जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर लाभान्वित किया जा रहा है। गहलोत आईटी डे के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की नीतियों से प्रदेश आज आईटी के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार सभी योजनाओं को आईटी आधारित बनाने की संकल्पना को आगे बढ़ा रही है। आईटी दिवस पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों से देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए नई पीढ़ी तैयार हो रही है। आईटी के प्रयोग से राज्य सरकार की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन एवं अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सुनिश्चित की जा रही है। हैकॉथान में 60 से अधिक देशों के 1 लाख प्रतिभागियों ने हिस्सा ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने हैकॉथान में भाग लेने वाले प्रतिभागियों से संवाद कर उन्हें प्रोत्साहित किया। उन्होंने प्रतिभागियों के प्रोजेक्ट और भविष्य की संभावनाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि हैकॉथान के नवाचार गुड गवर्नेंस में मददगार साबित होंगे। इसमें आने वाले सर्वश्रेष्ठ तीन प्रोजेक्ट्स को राज्य सरकार द्वारा उपयोग में लिया जाएगा तथा 50 लाख रुपए की पुरस्कार राशि दी जाएगी।

RNI N0. - RAJHIN/2021/80841
www.sanskarnews.page
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित।
EMAIL-sanskarsrijan21@gmail.com